FACULTY OF ARTS

SYLLABUS

MASTER OF ARTS

(SANSKRIT)

JODHPUR NATIONAL UNIVERSITY

JODHPUR

एम. ए. सं कृत

पूवा

थम प वै दकवा यम्

तीय प ललित सा ह यम्एवं सा ह यशा च्म

तृतीय प भारतीय दश नम्

चतुथ प शि ,ा याकरणंभाषा व ान्म

उ रा

पंचम प सं कृतका यशा ्म

ष प : नाटक एवं ना यशा ्म

स म प कालिदासः

अ म प निबंध, याकरणम्,अनुवादः दश नच्

नवम प उ ोगआधा रतमया वरणअ ययन

पूवा

थम प : वै दकवा यम्

ख ड वषय

1. ऋ वेद

2. यजुव दअथव वेद

3. उपनिषद

4. नि (थमः तीअ याय)

5. वै दकवा गमय इतिहास:

पा य म

वेदसं हितानाम् अधोलि खतानि सू ानि अ ययनाथ निधा रतानि स |त आचाय सायणस हतदयानंद - सातवलेकराद नाम् भा याणाम् ानम् अपे तम अ |त

थमख ड

ऋ वेद- 1. अ :न(1/2), 2. म त(1/85), 3. : (2/33), 4. व ामि नद संवादः (3/33), 5. उषस् (4/51), 6. अ नो(7/71), 7. व णः(7/86), 8. (पु ष(10/90), 9. वाग भृणी(वाक्) (10/125), 10. नासद य(10/129)

तीख ड

यजुव दशु लयजुव द संक पसू (34 तम: अ याय) अथव वेद- 1. मेधाजननम् (1/1), 2. भालानिमा णम्(3/12), 3. रा सभा(3/4), 4. उ छ (सू/7), 5. पृथिवीसू म्(12/1), 1-15 म : I

तृतीय ख ड

कठोपनिषद (स पूण)म गीता `सगोरखपुर काशन(सं कृतमा यम)ेन

चतुथ ख ड

नि ्(म थमःअ याय)

पंचमः ख ड

वै दकवा गमय इ्तिहासः - सं हता ा्हमण :,थाआर यकाः उपनिषदः

सू सा ह य च

सहायक थाः

1. ऋ सू वैजयंती - डॉ. एच.ड . बेलनकर (पूना से काशित)
2. वै दकवा गमय्थक प रशीलन - ज बहारचौबे
3. वै दक वरबोध - ज बहारचौबे
4. ऋ भा सं ह - डॉ. देवराज चानना
5. वै दकसेले शन - पीटस न(सीर जा एवं 2)

तीय प : ललित सा ह यएवं सा ह यशा ्चम

ख ड वषय

1. दूतका य्म
2. पकम्
3. ग का य्म
4. सा ह यशा ् म

पा य म

1. दूतका य्म - मेघदूतम् (कालिदासरचितम्) (सं कृतमा यमेन)
2. पकम् - मृ छक टकम्(शू करचितम्)
3. ग का य्म- हष च रतम्(बाणभ टरचितम्) (प चमो छ्वासः)
4. सा ह यशा ् -सा ह यदप ्(ामव नाथरचित)म

थमप र छेद(स पूण)

तीथा र छेदस पूण

तृतीय प र छेद-28 का रका:

सहायक था

1. सं कृतके स देशका य - डॉ. रामकुमार आचाय
2. मेघदूत एक पुरानी कहानी - डॉ. हजार साद वेद
3. मेघदूत एक अ ययन - वासुदेव शरण अ वाल
4. हष च रतएक अ ययन - डॉ. वासुदेव शरण अ वाल
5. ाचीनसा ह य - क व र व नाथठाकुर

तृतीय प : भारतीय दश नम्

ख ड वषय

1. सां यदश नम्
2. यायदश नम्
3. वेदा तदश नम्
4. मीमांसादश नम्

पा य म

1. ई रकृ ण - सां यका रका(सं कृतमा यमेन)
2. केशवमि : - तक भाषा(ामा यवादपय)तम
3. सदान दः - वेदा तसार
4. लौगा भा :कर - अथ सं ह

सहायक थाः

1. भारतीय दश न - डॉ. बलदेव उपा याय
2. भारतीय दश न - द एवं चटज (ह दएवं अं `जीसं करण)
3. भारतीय दश न - उमेश मि

4. सां यका रका - (1) डॉ. जमोहन्चतुव द (2) डॉ. वमलकना टकर

5. सां यत वकौमुद - रामशंकर भ टाचाय

चतुथ प : शि ,ा याकरणभ्भाषा व ाच्न

ख ड वषय

1. पा णनीयशि ा

2. लघुसि ांतकौमुद - याभाग् पसि सं कृतमा)य्मेन्यंत-
स न त्भावकम - नामधातु - : य्या

3. वा यपद य्म का: (भतृ ह र वरचि्तम
(1 - 50 का रका)

4. सं कृत याकरशा येतिहास

5. भाषा व ान्म

पा य म

1. पा णनीयशि ा

2. लघुसि ांतकौमुद- याभाग
(पसि सं कृतमा)यमेन

3. वा यपद य्म

4. सं कृत याकरशा येतिहास्पा णनिपूव वैयाकरण,पा णनिकाल
मुनि यं, या याकाल याकात)

5. भाषा व ान्म

(अ) परेखा `, भाषा-उ प : वकास , उ चारण-सं थानम् वनय
- वर य जनानि

(ब) वनिप रवत न क्वरणानि, वनिनियमा, भाषाणां वग करणम्
(भारोपीयभाषाप रवारस द),भ अथ व ्निम- अथ प रवत न य कारणानि

अथ प रवत नअक्य थाच|

सहायक था

1. लघुसि ांतकौमुद - याभीमसेन शा ी
2. लघुसि ांतकौमुद - धिरानंद शा ी
3. लघुसि ांतकौमुद - डॉ. अक नाथचौधर
4. लघुसि ांतकौमुद - सं. डॉ. कृ णशमा एवं डॉ. दुलीचंद शमा पी.वी.सी. प लकेश एसं राज थान म का काशन
5. एन इं ोड शन टू क पे र टव फलौलॉजी- गुणे (ओ रए टल बुक एज सी,पूना)

उ रा

पंचम प : सं कृतका यशा

1. का य काश - थम तीयउ लासौ
2. का य काश तृतीयचतुथ प चमउ लासा
3. का य काश - ष स मअ मउ लासा (सं कृतमा यमेन)

(स मेऽ लासेरसदोषाः तेषाम् प रहार)

4. व यालोकः - थमउ ोतः

(अभिनवगु लोचनट काअ पअ येत या)

5. व ो जी वतम् थामो मेश

सहायक था

1. डॉ. पी.वी. काणे - ह ऑफ अलंकार लि `चर
2. रस सि ांतक शा ीयसमी ा - .ोसुरजनदास वामी, काशक- नीरज शमा, सी 82 ए, रामदास माग, तिलक नगर, जयपुर
3. एस.के. डे. - सं कृतपोई ट स
4. डॉ. बलदेव उपा याय - भारतीय सा ह शा
5. भागीरथ मि - पा ा आलोचना के सि ांत

ष प : नाटकं ना यशा चं

ख ड वषय

1. भा भूतिः - उ ररामच रत्म
2. भ टनारायण - वेणीसंहारनाटकम्
3. नाटका याम्सामा य - (सं कृतमा यमेन)
4. भरतना यशा म् (थम तीयअ याय)

5. धन यः - दश पकम्

सहायक ंथाः

1. अभिनवगु - अभिनवभारती
2. क थ - सं कृत ामा(नाटक)
3. सी. बी. गु - इं डयनथियेटर
4. मनकद - टाइ सऑफ सं कृत ामा
5. मनमोहन घोष - भरत ना यशा (अं `जीअनुवाद)

स म प : कालिदास

ख ड वषय

1. या या

(अ) गीतिका यम्- ऋतुसंहार

(ब) नाटकं (क) व मोव शीयम्(ख) माल वका नमि

2. महाका यम्

(क) रघुवंशम् (1, 5, 13 सग):

(ख) कुमारसंभवम् (1, 3, 5 सग):

3. सामा य ाः

थतिकालज म थानरचना वषयकम

कालिदासकाले धामि क सामा जक राजनीतिक सं कृतिक

च थति वषयकम्,कला वषयकम्च ानं

4. कालिदासना यशा ना यकला(व तुनेता, रस)

5. कालिदासरचितगीतिका ययो महाका ययो च सा ह यशा ीय समी |ा (स दय वण ्नम ऋतुवण नम् कृतिवण न्म रसाल कारादय)ः|

अ म प : निबंधः याकरणम् अनुवादः दश न्म्

ख ड वषय

1. सं कृत निब ध - वै दकसा ह ्यम ललितसा ह य्म भारतीयदश नम् धम शा , आधुनिकसं कृतसा ह य च वषयो एक: वषयमधिकृ य निबंधलेखनम् क र यति

2. याकरणम् - (1) लघुसि ांतकौमुद(कारक करणम्)
(2) लघुसि ांतकौमुदकृदंतम्
(3) लघुसि ांतकौमुद(ी य)याः
(4) लघुसि ांतकौमुद(समास करणम्)
(5) त त कर्णम् अप याधिकार, र ा थ कं चतुरथि क करण च

3. अनुवादः
एक य अवतरण य सं कृत भाषायाम् अनुवादः अपे :तअ |त

4. यु प दश न्म
प ठत याकरण आधारेण यु प: तथा च अशु संशोधन्म

5. अप ठतसं कृतग प य यो अनुवादः या या

सहायक थाः

1. डॉ. मंगलदेव शा ी - बंध का्,इं डयन `स्इलाहबाद
2. षकेश टाचाय - बंधमंजर
3. डॉ. रमेशचं शु ल - बंधर ाकर
4. डॉ. क पलदेव वेद - सं कृतनिबंधशतकम्, व व ालय काशन

वाराणसी

5. पं. गि रधरशमा चतुव द - निबंधमंजर , शारदा, नई सड़क, द ली

नवम प : उ ोगआधा रतपया वरणअ ययन

इकाई - १

पया वरण- प रभाषा ` - संरचना, पा र थतिकणालियके काय, उ पादक, योगकताऔर प रवत नक, ऊजा वाह, पा र थतिक - पा र थतिकशा म, आहार खला, खा जाल, सतत वकासक अवधारणा पा र थतिकरामिड

इकाई - २

ाकृतिकसंसाधन - नवीनीकरण यो य वायु, जल, मृदा, धरती और व यजीव ोत- नवीनीकरण न करने यो य खनिज कोयला, तेल और गैस पया वरणनि कष और ाकृतिकसंसाधन का उपयोग करने से संबंधित सम याय

इकाई - ३

जैव व वधता प रभाषा महत् व, खपत, उपयोग, उ पादक, सामा जक, नैतिक, स दय और वक , जैव व वधता को मू यजैव व वधता आकषण के क - जैव व वधता का संर ण इनसीटू, ए ससीटू , जैव संपदा, रा ीयऔर वै क तरपर

इकाई - ४

पया वरण दूषण: प रभाषा, कारण, भाव और शमन उपायः वायु दूषण, जल दूषण, मृदा दूषण, वनि दूषण, थम ल दूषण परमाणु खतरे - ठोस अपशि , अ लीयवषा - जलवायु प रवत और लोबलवामि ग, भारत म पया वरण स ब धीनियम व कानून - पृ वीशिखर स मेलन

इकाई - ५

जनसं यऔर पया वरण- जनसं या व फोटपया वरणऔर मानव वा - य एचआईवी /ए स- म हलाएवं बाल क याण- लोग का पुनवा सपया वरणीय वा य म सूचना ौ ोगिक्क भूमिका- पया वरणके ति जाग कता